Daily Current Affairs

Date : 02 April, 2026

CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	न्यायिक प्रणाली को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने के लिए हाईकोर्ट की पहल
2.	युवा साथी केन्द्र
3.	द्वितीय राष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल चैंपियनशिप
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. स्मृद्धि व्यास व राधिका सोनी 2. प्रो. बी. एम. शर्मा
5.	जनगणना-2027
6.	सम्राट संप्रति
7.	जोजड़ी-लूनी-बांडी नदी प्रणाली
8.	राजस्थान में परमाणु ऊर्जा परियोजना
9.	नया आयकर अधिनियम
10.	E20 (इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल)
11.	प्रधान मंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G)
12.	पश्चिम एशिया युद्ध के बीच वैश्विक चोकपॉइंट्स: महत्त्व और संकट
13.	नौसेना के प्रमुख युद्धपोत
14.	भारत के सेमीकंडक्टर हब के रूप में सानंद: सिलिकॉन वैली का पुल

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

न्यायिक प्रणाली को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने के लिए हाईकोर्ट की पहल

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा एक सर्कुलर जारी कर बच्चों से जुड़े केसों में सुनवाई करने वाली पॉक्सो कोर्ट व जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में बच्चों के अनुकुल माहौल देने की पहल की है।

मुख्य बिन्दु:

- इसके तहत् पॉक्सो कोर्ट, जेजे बोर्ड के जज, वकील व लोक अभियोजकों को कोर्ट में परम्परागत यूनिफॉर्म पहनना अनिवार्य नहीं है।
- यह आदेश राज्य के 64 पॉक्सो कोर्ट व 36 जेजे बोर्ड में लागू कर दिया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

युवा साथी केन्द्र

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार के युवा बोर्ड व राज्य युवा नीति 2026 के तहत् सरकार ने डिजिटल पोर्टल व जयपुर के यूथ हॉस्टल में युवा साथी केन्द्र की स्थापना की है।

मुख्य बिन्दु:

- **लक्ष्य समुह:** यह 15-29 साल के युवाओं के लिए शुरू किया जा रहा है।
- यहाँ शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और कांउसलिंग की सुविधाएँ एक साथ मिलेगी।
- **सिंगल विन्डो सिस्टम:** स्टार्ट रजिस्ट्रेशन से लेकर जॉब अलर्ट तक सब एक ही जगह उपलब्ध।
- इन केन्द्रों पर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मौजूद रहेंगे जो तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान व कांउसलिंग सेशन का आयोजन करेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

द्वितीय राष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों?

- द्वितीय राष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल चैपियनशिप का आयोजन जयपुर में 29-31 मार्च, 2026 को हुआ जिसमें तमिलनाडु ओवरऑल चैंपियन रहा।

मुख्य बिन्दु:

राजस्थान का प्रदर्शन:

- जूनियर वर्ग (अंडर-17 और अंडर-14) में तमिलनाडु प्रथम व दोनों ही श्रेणियों में राजस्थान ने रजत पदक हासिल किया।
- महिला वर्ग में राजस्थान ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**स्मृद्धि व्यास व राधिका सोनी** ■ यूटीटी 87वीं इंटर स्टेट सब जूनियर एवं कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में राजस्थान की स्मृद्धि व्यास व राधिका सोनी ने अंडर-15 गर्ल्स डबल्स श्रेणी में रजत पदक जीता।
2.	**प्रो. बी. एम. शर्मा** ■ कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बी.एम. शर्मा को उनकी पुस्तक “सत्याग्रह की पाठशाला गाँधी आश्रम” के लिए महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्याल, मोतीहारी (चम्पारण) की ओर से गाँधीवादी बृजकिशोर सिंह पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

जनगणना-2027

चर्चा में क्यों?

- जनगणना-2027 का प्रथम चरण 1 अप्रैल, 2026 से प्रारंभ हुआ।

SERVICES

मुख्य बिन्दु:

जनगणना-2027:

- यह भारत की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना है।
- अंतिम जनगणना वर्ष 2011 में आयोजित की गई थी।
- यह विश्व की सबसे बड़ी और पहली डिजिटल रूप से आयोजित जनगणना है। इसमें स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध होगा।
- स्व-गणना एक सुरक्षित वेब-आधारित सुविधा है। इसके माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण से पहले 16 भाषाओं में ऑनलाइन जानकारी दर्ज की जा सकती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसका आयोजन दो चरणों- हाउस लिस्टिंग (HLO) और जनसंख्या गणना (PE) में किया जाएगा।
- इसमें स्वतंत्र भारत में पहली बार (अंतिम बार यह 1931 में की गई थी) राष्ट्रव्यापी जातिगत गणना शामिल होगी। यह जातिगत गणना अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित सभी समुदायों के लिए की जाएगी।
- **संचालन:** केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त का कार्यालय (दशकीय आधार पर)।
- **विधिक आधार:** जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

सम्राट संप्रति

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने महावीर जयंती के अवसर पर गुजरात के कोबा (गांधीनगर) में सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

सम्राट संप्रति:

- सम्राट संप्रति मौर्य वंश के राजा थे और सम्राट अशोक के पोते थे। उनके पिता का नाम कुणाल और माता का नाम कंचनमाला था।
- उन्हें इंद्रपालित, संगत और विगतशोक के नाम से जाना जाता है। उनके जीवन का वर्णन संप्रतिकथा, परिशिष्टपर्व और प्रभावकचरित जैसे जैन ग्रंथों में मिलता है।
- उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में जैन धर्म और अहिंसा के सिद्धांत को फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 'जैन अशोक' के रूप में भी जाना जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

जोजड़ी-लूनी-बांडी नदी प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति ने रेखांकित किया कि औद्योगिक प्रदूषण ने जोजड़ी-लूनी-बांडी नदी प्रणाली को विषाक्त मिश्रण में बदल दिया है। इस मिश्रण में कीचड़, अनुपचारित अपशिष्ट और नगरपालिका का अपशिष्ट शामिल है।

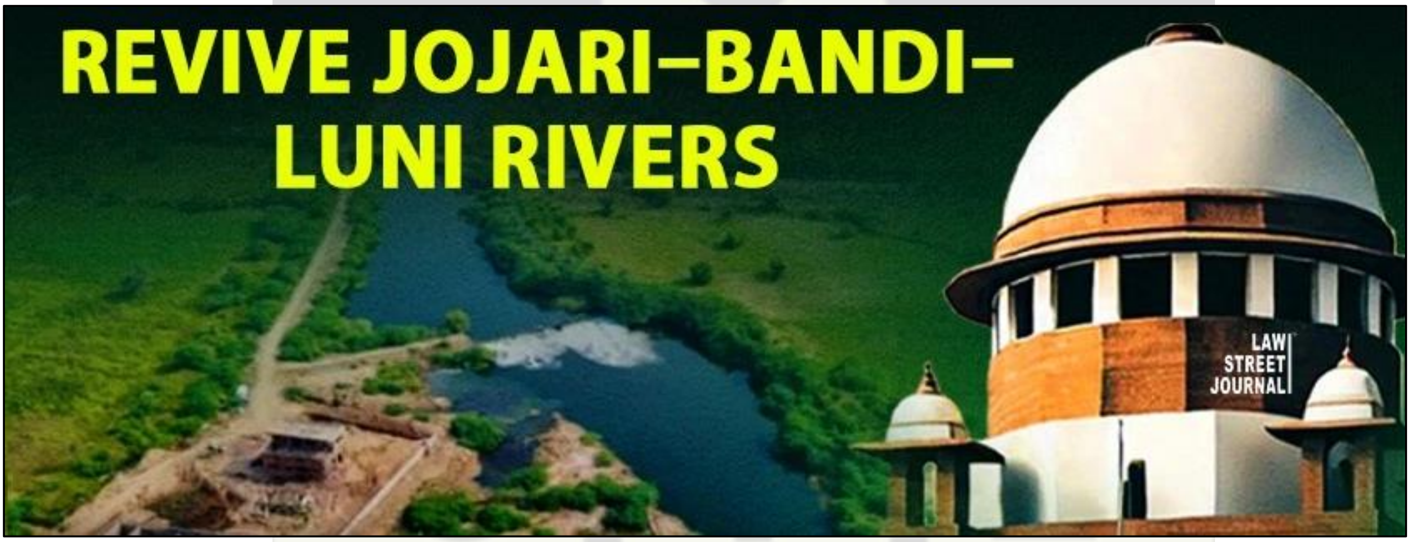

मुख्य बिन्दु:

जोजड़ी-लूनी-बांडी नदी प्रणाली:

- लूनी नदी अजमेर के निकट अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी ढलानों से निकलती है।
- यह कच्छ के रण में जाकर मिल जाती है।
- इसकी सहायक नदियों में जोजड़ी, बांडी, मिठड़ी, लीलड़ी, सुकड़ी, जवाई आदि शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

राजस्थान में परमाणु ऊर्जा परियोजना

चर्चा में क्यों?

- **परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (AERB) द्वारा माही बाँसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना की यूनिट-एक और यूनिट-दो के निर्माण के लिए उत्खनन की मंजूरी दी गई है।**

मुख्य बिन्दु:

माही बाँसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (MBRAPP)

- **अवस्थिति:** राजस्थान के बांसवाड़ा में, माही नदी पर बने माही बांध के पास।

भारत में वर्तमान में संचालित परमाणु ऊर्जा संयंत्र

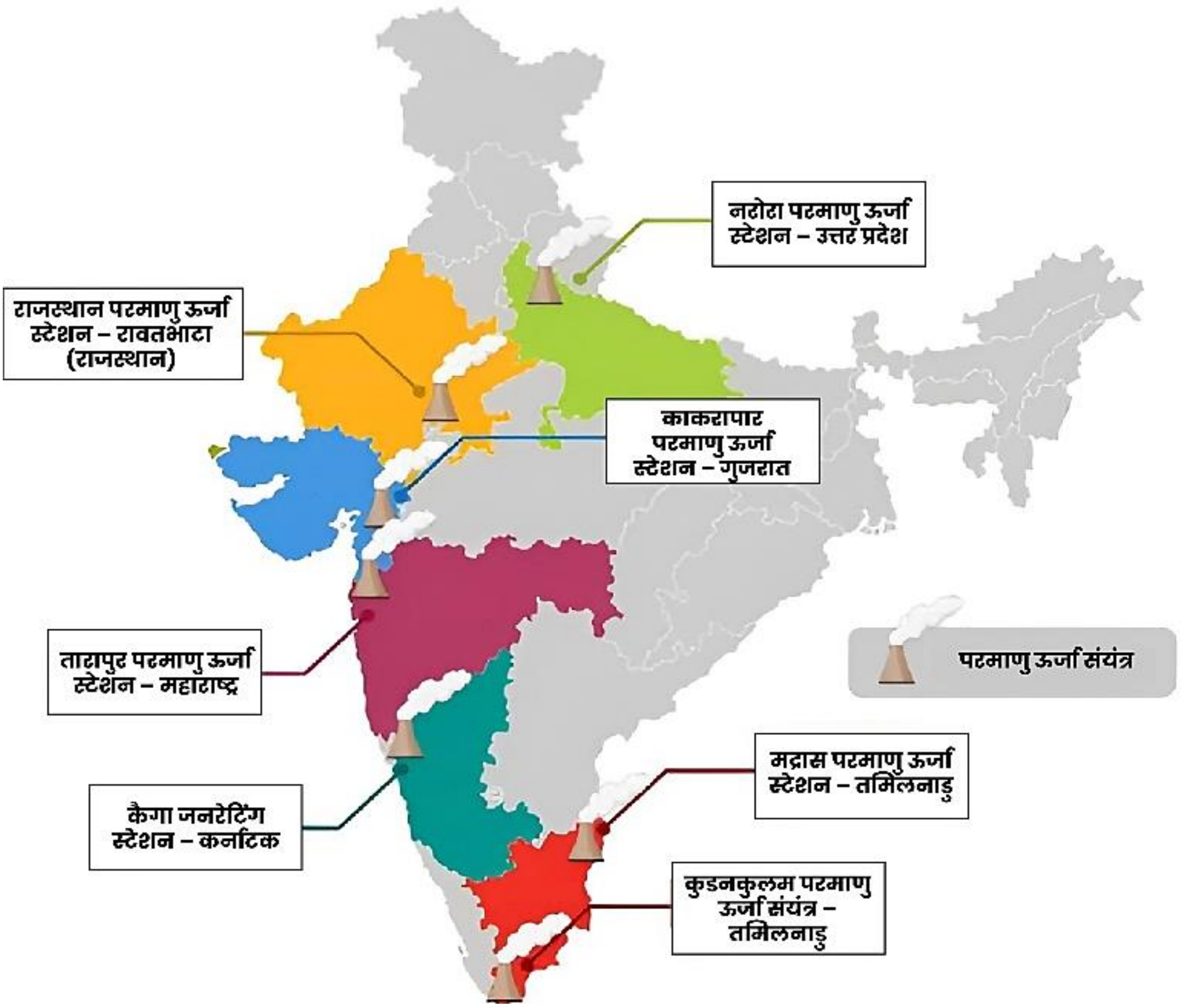

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- क्षमता: 4 x 700 MWe PHWR (स्वदेशी PHWRs - दाबित भारी जल रिएक्टर की 4 परमाणु ऊर्जा इकाइयां)।
- PHWRs ईंधन के रूप में प्राकृतिक यूरेनियम और शीतलक व मंदक के रूप में भारी जल (ड्यूटेरियम ऑक्साइड) का उपयोग करते हैं।
- विकास: अणुशक्ति विद्युत निगम (ASHVINI) द्वारा। यह न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) और नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NTPC) का एक संयुक्त उद्यम है।
- परियोजना: यह परियोजना भारत की "फ्लीट मोड" पहल का हिस्सा है।
- इस पहल के तहत एक जैसे डिजाइन और समान खरीद योजनाओं वाले 700 मेगावाट क्षमता के 10 परमाणु संयंत्र देशभर में बनाए जा रहे हैं।

भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम

- परमाणु ऊर्जा मिशन: केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित यह मिशन स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (R&D) पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य वर्ष 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन और संचालित स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स विकसित करना है।
- परमाणु ऊर्जा लक्ष्य: वर्ष 2047 तक 100 GW परमाणु ऊर्जा क्षमता।
- शांति (SHANTI) अधिनियम, 2025: यह अधिनियम भारत में परमाणु ऊर्जा से संबंधित विधिक ढांचे को समेकित और आधुनिक बनाता है।
- शांति (SHANTI) से आशय है: सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (SHANTI)

भारत में परमाणु ऊर्जा क्षमता

- मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार भारत में वर्तमान में 7 विद्युत संयंत्रों में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर्स संचालित हैं। इनकी कुल स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 8,780 मेगावाट है (RAPS-1 - 100 मेगावाट को छोड़कर)।
- केंद्र सरकार की योजना 2031-32 तक इस क्षमता को बढ़ाकर 22,480 मेगावाट करने की है।
- 2024–25 में भारत के कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3.1% थी, जो इसे बिजली का पांचवां सबसे बड़ा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत बनाती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नया आयकर अधिनियम

चर्चा में क्यों?

- नया आयकर अधिनियम 2025, एक अप्रैल, 2026 से लागू हुआ। आयकर अधिनियम, 2025 को छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर लागू किया गया है।

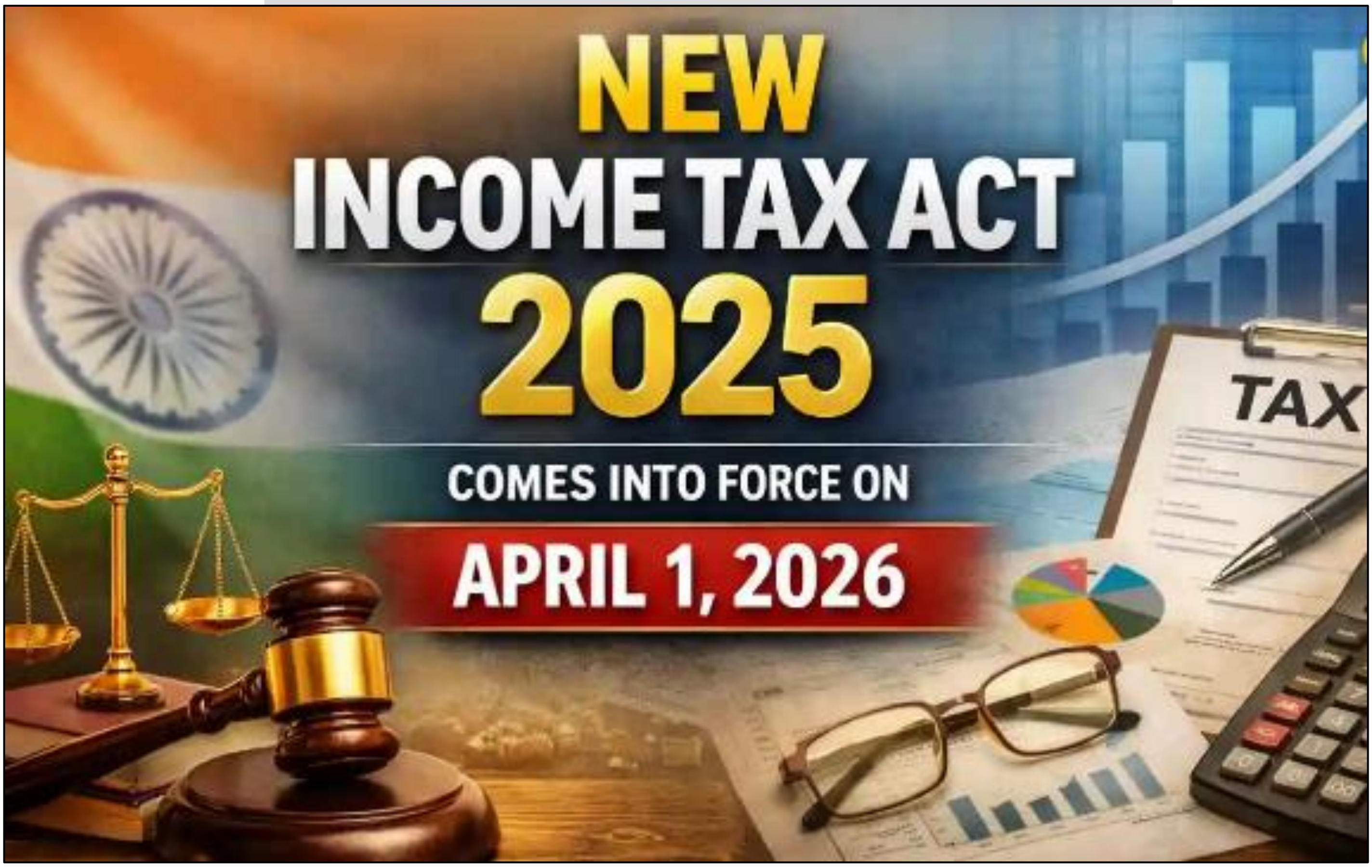

मुख्य बिन्दु:

उद्देश्य:

- कर प्रणाली में पूर्वानुमेयता और पारदर्शिता बढ़ाना,
- नियमों के अनुपालन का बोझ कम करना, तथा
- करदाताओं को आयकर रिटर्न दाखिल करने की सरल और सुव्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख प्रावधान

- **सरल भाषा और ढांचा:** अधिनियम में धाराओं की संख्या 819 की जगह 536 रह गई है जबकि आवेदनों यानी फॉर्म्स की संख्या 390 से कम होकर 190 रह गई है।
- न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) और वैकल्पिक न्यूनतम कर (AMT) के प्रावधानों को दो उप-खंडों में विभाजित किया गया है।
- **न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT):** इसका उद्देश्य ऐसी कंपनियों को भी टैक्स के दायरे में लाना है, जो अच्छा मुनाफा और लाभांश कमाने के बावजूद अलग-अलग कर छूट और रियायतों की वजह से कोई टैक्स नहीं देती थीं।
- **वैकल्पिक न्यूनतम कर (AMT):** इसके प्रावधान MAT जैसे ही होते हैं, लेकिन ये कर गैर-कॉर्पोरेट करदाताओं (जैसे व्यक्ति, साझेदारी फर्म आदि) पर लागू होते हैं।
- न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) के प्रावधान केवल कॉर्पोरेट करदाताओं पर लागू होते हैं।
- **कर वर्ष (टैक्स ईयर) की अवधारणा:** पहले की अलग-अलग वित्तीय वर्ष और आकलन वर्ष की अवधारणाओं को मिलाकर एकीकृत शब्द "कर वर्ष (टैक्स ईयर)" कर दिया गया है।

आयकर के मूल तत्वों में स्थिरता:

- व्यक्तियों और कंपनियों के लिए कर दरों और संरचनाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
- अपराध और दंड से संबंधित प्रावधानों में भी कोई परिवर्तन नहीं है।
- अधिकतर परिभाषाओं को यथावत रखा गया है।
- सूचना संग्रह और कर आकलन की प्रक्रिया को फेसलेस बनाया गया है।
- **अघोषित आय:** आयकर छापों से जुड़े मामलों के आकलन के लिए अघोषित आय की परिभाषा में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को भी शामिल कर दिया गया है। पहले इसमें नकद, सोना-चांदी, आभूषण या अन्य कीमती वस्तुएं शामिल थीं।
- **वर्चुअल डिजिटल स्पेस तक पहुँच:** अब आयकर अधिकारियों को तलाशी और जब्ती की कार्यवाही के दौरान वर्चुअल डिजिटल स्पेस तक पहुंच की अनुमति है।
- वर्चुअल डिजिटल स्पेस में ईमेल सर्वर, सोशल मीडिया अकाउंट, ऑनलाइन निवेश और ट्रेडिंग अकाउंट तथा संपत्ति स्वामित्व से संबंधित विवरण रखने वाली वेबसाइट्स शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

E20 (इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देश के अनुसार 1 अप्रैल, 2026 से देश में E20 ईंधन (पेट्रोल + इथेनॉल) बेचना अनिवार्य होगा, जिसकी कम से कम 95 RON ऑक्टेन रेटिंग होनी चाहिए।

मुख्य बिन्दु:

- RON (रिसर्च ऑक्टेन नंबर) ईंधन की स्थिरता के संकेतक के रूप में कार्य करता है। यह वाहन के इंजन के भीतर ईंधन दहन के दौरान उत्पन्न दबाव के स्तर को इंगित करता है।

E20 ईंधन:

- यह पेट्रोल और इथेनॉल का 80:20 मिश्रण है।
- राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 (2022 में संशोधित) के अनुसार पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य अब 2030 की जगह इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ESY) 2025-26 में ही प्राप्त करना है।
- **लाभ:** यह ईंधन के प्रदर्शन में सुधार और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है।
- **चिंताएं:** कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता में कमी, पुराने वाहनों में संक्षारण या क्षति की संभावना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रधान मंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G)

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G) के 10 वर्ष पूरे हुए। यह वर्ष 1996 में प्रारंभ हुई इंदिरा आवास योजना का पुनर्गठित रूप है।

मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत:** वर्ष 2016

PMAY-G की प्रमुख विशेषताएँ

- **उद्देश्य:** ग्रामीण क्षेत्रों में "सभी के लिए आवास" उपलब्ध कराना।
- यह योजना पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं युक्त पक्का घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस योजना के लिए वैसे परिवार पात्र हैं, जिनका अपना घर नहीं है या कामचलाऊ घर है या वे 1 या 2 कमरों के कच्चे घरों में रहते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **लक्ष्य:** केंद्र सरकार ने प्रारंभ में वित्त वर्ष 2016–17 से 2023–24 तक 2.95 करोड़ घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा था। अब सरकार ने अगले पांच वर्षों (2024–25 से 2028–29) के लिए 2 करोड़ अतिरिक्त घरों के निर्माण के लक्ष्य के साथ योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है।
- **वित्तीय सहायता:** घर का न्यूनतम आकार 25 वर्ग मीटर निर्धारित है। योजना के तहत पात्र परिवारों को मैदानी क्षेत्रों में ₹1.20 लाख और पहाड़ी राज्यों में ₹1.30 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **वित्तपोषण:** घर निर्माण में वित्तीय सहायता की लागत मैदानी क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में तथा पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में 90:10 के अनुपात में साझा की जाती है।
- **लाभार्थियों का चयन:** सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना (SECC), 2011 के 'बुनियादी सुविधाओं से वंचित आवास' मानकों के आधार पर, जिसे ग्राम सभाओं द्वारा सत्यापित किया जाता है।
- **योजना की निगरानी:** कार्यान्वयन और निगरानी एंड-टू-एंड ई-गवर्नेंस मॉडल के माध्यम से की जाती है। इसके लिए आवास सॉफ्ट और आवास ऐप का उपयोग किया जाता है।
- योजना के क्रियान्वयन की निगरानी सोशल ऑडिट द्वारा, सांसद (दिशा समिति), केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी, राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी आदि के माध्यम से भी की जाती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच वैश्विक चोकपॉइंट्स: महत्त्व और संकट

चर्चा में क्यों?

- एक रिपोर्ट के अनुसार, समुद्री मार्ग से ऊर्जा व्यापार का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा कुछ प्रमुख चोकपॉइंट्स पर निर्भर है। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, मलक्का जलडमरूमध्य जैसे चोकपॉइंट्स शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु:

- ये रणनीतिक समुद्री मार्ग यानी चोकपॉइंट्स युद्धक्षेत्र के बाहर भी संघर्ष की गंभीरता, ऊर्जा की कीमतों और वैश्विक वित्तीय स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

चोकपॉइंट्स क्या हैं?

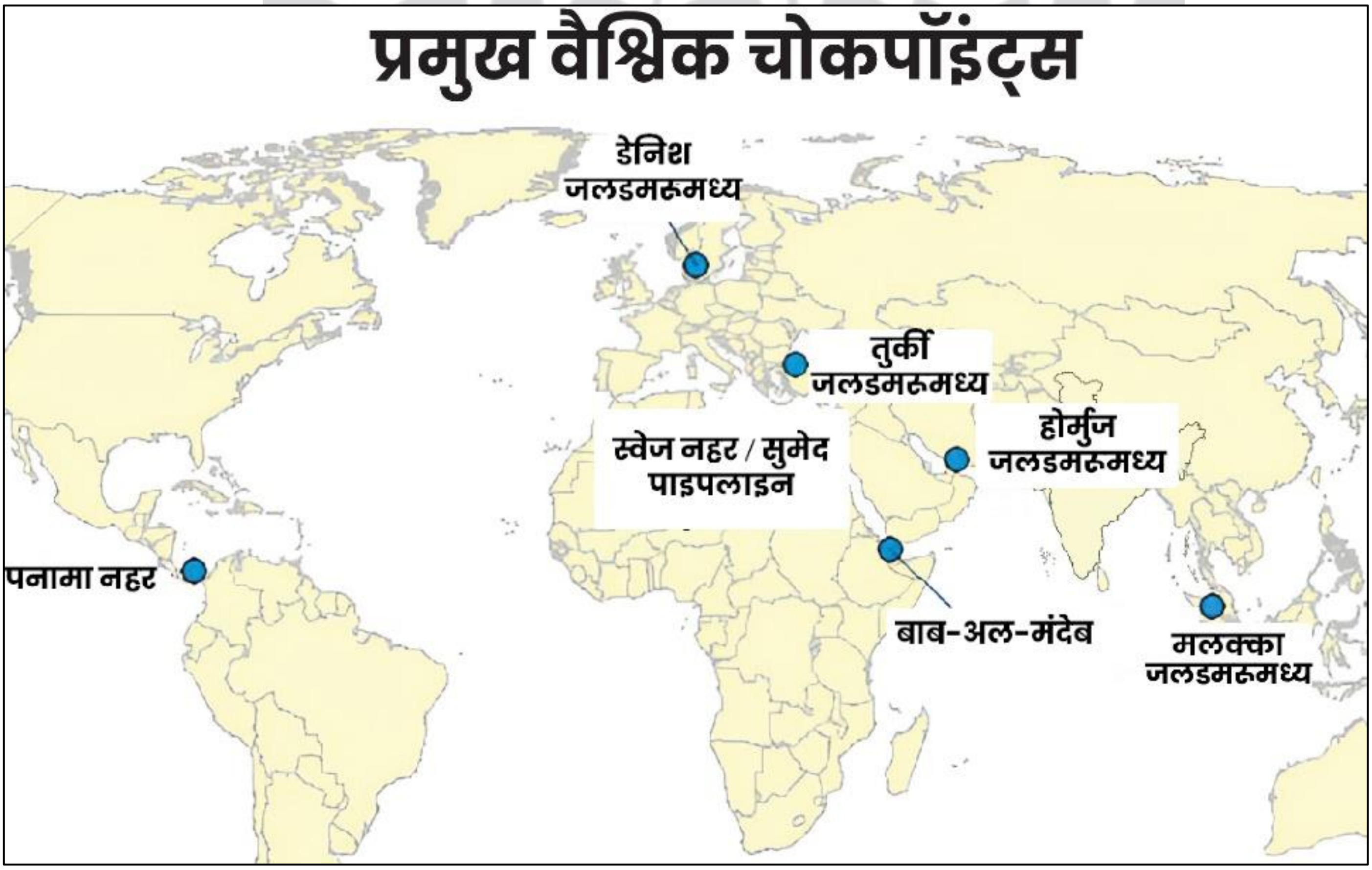

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- चोकपॉइंट्स रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण संकीर्ण समुद्री-मार्ग हैं। ये वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

चोकपॉइंट्स का महत्त्व

- **व्यापार और ऊर्जा की जीवन-रेखा:** चोकपॉइंट्स अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। ये वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट का कारण बन सकते हैं।
- **आर्थिक प्रभाव:** चोकपॉइंट्स पर किसी भी तरह की बाधा से माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है, यात्रा का समय लंबा हो जाता है और बीमा प्रीमियम भी बढ़ जाते हैं। इससे वैश्विक मुद्रास्फीति बढ़ती है और आयात पर निर्भर देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।
- **भू-राजनैतिक तनाव के केंद्र:** इन चोकपॉइंट्स का अधिक रणनीतिक महत्त्व होने के कारण इनमें अक्सर सैन्य नाकेबंदी, क्षेत्रीय संघर्ष और समुद्री डकैती का खतरा बना रहता है।
- **जलवायु परिवर्तन का खतरा:** पर्यावरण में परिवर्तन नए अवरोध पैदा कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, पनामा नहर में जल की कमी की वजह से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है।
- **औद्योगिक और डिजिटल क्षेत्रकों में जोखिम:** अब चोकपॉइंट्स केवल भौगोलिक ही नहीं, बल्कि औद्योगिक और डिजिटल प्रणालियों में भी दिखाई देते हैं।
- **उदाहरण:** दुर्लभ खनिजों का प्रसंस्करण बहुत हद तक चीन में संकेंद्रित रिफाइनिंग क्षमता पर निर्भर करता है।
- **अन्य उदाहरण:** यूरोप-एशिया के बीच 90% से अधिक समुद्री केबल क्षमता रेड सी कॉरिडोर से गुजरती है, जिससे यह डिजिटल सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चोकपॉइंट बन जाता है।

भारत के लिए संभावित समाधान

- इनमें ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, वैकल्पिक परिवहन मार्गों पर विचार करना शामिल हैं। जैसे: भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)।
- भारत के 'महासागर' (MAHASAGAR) विजन के अनुरूप समुद्री संचार मार्गों की स्वतंत्रता और खुलापन सुनिश्चित करने के लिए सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

नौसेना के प्रमुख युद्धपोत

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना को कई प्रमुख युद्धपोत प्राप्त हुए हैं, जो स्वदेशी रक्षा विनिर्माण के क्षेत्रक में बड़ी उपलब्धि है।

मुख्य बिन्दु:

प्राप्त प्रमुख युद्धपोत:

- **मालवन:** यह दूसरा 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' (ASW SWC) है। इसे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है।
- इसका नाम ऐतिहासिक तटीय शहर मालवन के नाम पर रखा गया है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ी समृद्ध समुद्री विरासत को दर्शाता है।
- **क्षमताएं:** पानी के भीतर निगरानी, पनडुब्बी-रोधी और माइन वारफेयर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE), कोलकाता द्वारा निर्मित तीन अग्रिम नौसैनिक प्लेटफॉर्म:**
- **स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट दूनागिरी:** यह नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17A) का पांचवां पोत है। यह मिसाइलों के साथ निर्दिष्ट लक्ष्यों पर प्रहार करने में सक्षम है।
- **चौथा सर्वे वेसल (लार्ज) 'संशोधक':** यह तटीय और गहरे पानी में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण कार्य करता है।
- **अग्रेय:** यह आठ 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' (ASW SWC) में से चौथा है। इसे दुश्मन की पनडुब्बियों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत के सेमीकंडक्टर हब के रूप में सानंद: सिलिकॉन वैली का पुल

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने गुजरात के सानंद में केयन्स सेमीकॉन द्वारा स्थापित एक सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

- यह परियोजना इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का हिस्सा है और वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में भारत के प्रयासों को दर्शाती है ।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'सानंद और सिलिकॉन वैली के बीच का पुल' बताया।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम)

- इसे 2021 में MeitY द्वारा एक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया था , जिसमें डिजाइन, निर्माण, असेंबली, परीक्षण और पैकेजिंग (ATMP) शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **वित्तीय व्यय:** 10 अरब डॉलर का प्रोत्साहन पैकेज।
- **घटक:** सेमीकंडक्टर फैब्स, डिस्प्ले फैब्स, एटीएमपी/ओसैट (असेंबली, टेस्टिंग, पैकेजिंग), और डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI)
- **प्रगति:** गुजरात, असम और कर्नाटक में कई सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।
- **भारत-सेमीकंडक्टर मिशन 2.0** का अनावरण केंद्रीय बजट 2026-27 में किया गया, जिसमें "पूर्ण-स्टैक भारतीय सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र" बनाने के लिए सेमीकंडक्टर उपकरण और सामग्री पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- 3-नैनोमीटर और 2-नैनोमीटर प्रौद्योगिकी नोड्स को प्राप्त करने का रोडमैप; 2035 तक शीर्ष सेमीकंडक्टर देशों में शामिल होने का लक्ष्य।

प्रमुख सरकारी योजनाएँ

- **डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना:** चिप डिजाइन स्टार्टअप्स के लिए वित्तीय और अवसंरचनात्मक सहायता, 100 से अधिक घरेलू सेमीकंडक्टर डिजाइन फर्मों का लक्ष्य।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए PLI योजना:** मोबाइल विनिर्माण वृद्धि से जुड़ा मांग-पक्षीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है।
- **चिप्स-टू-स्टार्टअप प्रोग्राम:** ईडीए टूल्स और फैब्रिकेशन सपोर्ट तक पहुंच, 300 से अधिक संस्थानों को कवर करता है।
- **राष्ट्रीय महत्त्वपूर्ण खनिज मिशन और दुर्लभ पृथ्वी गलियारा:** चीन और ताइवान पर निर्भरता कम करने के लिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR